vinetur

मध्यावधि चुनावों के बाद वॉशिंगटन के नए एजेंडे के लिए तैयारी की सलाह छोटी ब्रुअरीज़ को

व्यापार संगठन के मुताबिक, टैरिफ, हेम्प नियम और कांग्रेस में बदलाव 2027 में लागत, प्रतिस्पर्धा और लॉबिंग की प्राथमिकताओं को बदल सकते हैं

सोमवार, 9 नवंबर 2026



Brewers Association छोटी और स्वतंत्र ब्रुअरीज़ से कह रही है कि 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद वॉशिंगटन के नए राजनीतिक परिदृश्य के लिए तैयारी करें। अगले दो वर्षों में व्यापार नीति, हेम्प का नियमन और कर-संबंधी प्रस्ताव उद्योग का एजेंडा तय कर सकते हैं।

4 नवंबर को प्रकाशित और 8 नवंबर को Beer Alien द्वारा प्रमुखता से साझा किए गए सरकारी मामलों के अपडेट में Brewers Association ने कहा कि डेमोक्रेट्स ने प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों का नियंत्रण हासिल कर लिया है। इससे राष्ट्रपति Donald Trump के दूसरे कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में विभाजित सरकार बनेगी। व्यापार संगठन ने कहा कि इस बदलाव से नीतियों में तत्काल परिवर्तन की गारंटी नहीं मिलती, लेकिन इससे यह जरूर बदलता है कि ब्रुअर अपनी बात रखने के लिए किन मंचों पर जोर दे सकते हैं और साल के अंत से पहले कार्यकाल समाप्ति का इंतजार कर रही

कांग्रेस के सत्र में तथा जनवरी 2027 में 120वीं कांग्रेस के शुरू होने पर किन मुद्दों पर ध्यान जा सकता है।

संगठन की पहली चिंता टैरिफ हैं, खासकर आयातित एल्युमीनियम और ब्रुअरीज़ में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामग्रियों पर लगाए गए टैरिफ। Brewers Association ने कहा कि उसे उम्मीद है कि आने वाली कांग्रेस प्रशासन की निगरानी पर, जिसमें व्यापार नीति भी शामिल है, अधिक जोर देगी। संगठन के मुताबिक, इससे छोटी ब्रुअरीज़ को यह दलील देने का अवसर मिल सकता है कि टैरिफ से कैन और अन्य इनपुट की लागत बढ़ी है, और भविष्य के व्यापार संबंधी फैसलों में छोटे घरेलू कारोबारों पर अधिक विचार करने की मांग की जा सकती है। एसोसिएशन ने इसे कांग्रेस की घोषित योजना नहीं बताया। उसने इसे ऐसा क्षेत्र बताया जहां उसके विचार में निगरानी से दबाव या अवसर पैदा हो सकता है।

इसका महत्व केवल राजनीतिक संदेशों तक सीमित नहीं है। ब्रुअर और अन्य पेय कंपनियां पैकेजिंग लागत में लगातार बढ़ोतरी होने पर मार्जिन पर दबाव, कीमतों पर असर और आपूर्ति अनुबंधों में मुश्किलों का सामना कर सकती हैं। एल्युमीनियम की लागत छोटी ब्रुअरीज़ के लिए खास तौर पर अहम है, क्योंकि वे कैन वाले उत्पादों पर काफी निर्भर रहती हैं और आपूर्तिकर्ताओं से बातचीत में अक्सर बड़े उत्पादकों जितनी सौदेबाजी की ताकत नहीं रखतीं।

Brewers Association ने यह भी कहा कि संघीय सांसद नशीले प्रभाव वाले हेम्प-आधारित उत्पादों के नियमन पर फिर विचार कर सकते हैं। संगठन के अनुसार, कांग्रेस उपभोक्ता सुरक्षा, लेबलिंग और आयु-सीमा जैसे मुद्दों पर दोबारा गौर कर सकती है। उसने हेम्प नीति को कार्यकाल समाप्ति से पहले के सत्र और अगली कांग्रेस, दोनों में संभावित मुद्दा बताया, हालांकि इस बात पर जोर दिया कि किसी खास नतीजे की गारंटी नहीं है। ब्रुअरीज़ के लिए यह सवाल लगातार अहम होता जा रहा है, क्योंकि कई बाजारों में हेम्प पेय अलग नियामकीय दायरे में होने के बावजूद शेल्फ़ की जगह, वितरकों का ध्यान और उपभोक्ता खर्च के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। अधिक सख्त या स्पष्ट संघीय ढांचा पेय की कई श्रेणियों के बीच प्रतिस्पर्धी संतुलन बदल सकता है।

कर और कारोबार संचालन की नीति पर Brewers Association ने द्विदलीय प्रस्तावों के एक समूह का जिक्र किया, जिसके बारे में उसका कहना है कि उन्हें समर्थन मिलता रह सकता है। इनमें Brews to Barns Act शामिल है, जिसके तहत ब्रुअरीज़ में ब्रूइंग के बाद बचने वाले अनाज पर आधारित टैक्स क्रेडिट बनाया जाएगा ; संघीय उत्पाद शुल्क की रिपोर्टिंग संबंधी आवश्यकताओं को आधुनिक बनाने की मांग ; और क्रेडिट कार्ड प्रोसेसिंग में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के प्रयास शामिल हैं। इनमें से कोई भी प्रस्ताव कानून नहीं बना है। फिर भी, हर प्रस्ताव छोटी ब्रुअरीज़ के रोजमर्रा के कारोबारी दबावों से जुड़ा है—कचरे के निपटान और कर अनुपालन से लेकर भुगतान प्रोसेसिंग शुल्क तक।

व्यापार संगठन ने संकेत दिया कि सबसे बड़ी तात्कालिक चुनौती शायद कोई एक विधेयक नहीं, बल्कि उन सांसदों का जाना हो सकता है जिन्होंने पहले ब्रुअर का समर्थन किया है। उसने कहा कि House Small Brewers Caucus के सूचीबद्ध 147 सदस्यों में से कम से कम 33 अगले साल प्रतिनिधि सभा की अपनी मौजूदा सीटों पर नहीं लौटेंगे। एसोसिएशन के अनुसार, सीनेट में Bipartisan Small Brewers Caucus के तीन सेवानिवृत्त सदस्य और कम से कम एक ऐसा मौजूदा सदस्य नहीं रहेंगे जो दोबारा चुनाव हार गया।

इस बदलाव का मतलब है कि कुछ सांसदों के कार्यालयों के साथ उद्योग को अपने संबंध लगभग नए सिरे से बनाने पड़ सकते हैं। Brewers Association ने कहा कि इन कॉकस को फिर से सक्रिय करना और नए सांसदों से मिलना बेहद जरूरी होगा। संगठन ब्रुअर को वॉशिंगटन में अपने वार्षिक Hill Climb पैरवी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कह रहा है और ब्रुअरीज़ को नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को अपनी इकाइयों का दौरा कराने, कर्मचारियों से मिलवाने और यह दिखाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है कि संघीय नीति स्थानीय संचालन को कैसे प्रभावित करती है।

एसोसिएशन का संदेश है कि ब्रुअर तैयारी जल्द शुरू करें। उसने ब्रुअरी मालिकों से कहा कि जनवरी 2027 में नई कांग्रेस के कामकाज शुरू करने पर उनके निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, इसकी जानकारी हासिल करें और एल्युमीनियम की लागत तथा छोटे कारोबारों पर रिपोर्टिंग के बोझ जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखना शुरू करें। यह सलाह मध्यावधि चुनावों के बाद उद्योग के सामने मौजूद व्यापक वास्तविकता को दर्शाती है : ब्रुअरीज़ को सबसे ज्यादा

प्रभावित करने वाले कई मुद्दे अब भी अनसुलझे हैं, और अगला दौर इस बात पर कम निर्भर करेगा कि 3 नवंबर को क्या तय हुआ, और इस पर अधिक कि नई कांग्रेस काम शुरू करने के बाद किन मुद्दों को प्राथमिकता देती है।